पर्वतदान (अन्न) एवं अश्वमेघ यज्ञ महोत्सव में शामिल मिल हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

मां नाथल दाई को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित एवं सौंदर्यीकरण करने की घोषणा

- रामायण हमारे लिए आदर्श, सफल जीवन जीने का दिखाते है रास्ता- मुख्यमंत्री साय
- ग्राम टिमरलगा के माध्यमिक स्कूल को हाईस्कूल में एवं उपस्वास्थ्य केंद्र को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उन्नयन करने की घोषणा

सारंगढ़ बिलाईगढ़

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के ग्राम टिमरलगा में आयोजित पर्वतदान (अन्न) एवं अश्वमेघ यज्ञ महोत्सव में होंगे शमिल हुए। उन्होंने यज्ञ स्थल में स्थापित प्रभु राम चंद्र की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पूजा कर प्रदेशवासियों के खुशहाली के लिए किए कामना। इसके साथ ही ग्राम वासियों एवं आसपास के ग्रामीणों द्वारा दान किए हुए अन्न की परिक्रमा कर अन्न दान परम्परा को आगे बढ़ाते हुए अश्वमेघ की भी पूजा किए। इस दौरान उन्होंने ग्राम टिमरलगा के माध्यमिक स्कूल को हाईस्कूल में उन्नयन,मां नाथल दाई को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने सौंदर्यीकरण करने सहित ग्राम टिमरलगा के उपस्वास्थ्य केंद्र को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उन्नयन की घोषणा किए है। इस मौके पर रायगढ़ सांसद राधेश्याम राठिया,पूर्व विधायक केरा बाई मनहर,शमशेर सिंह, पूर्व सांसद व सारंगढ़ राजा पुष्पा देवी सिंह,आईजी संजीव शुक्ला कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू,एसपी पुष्कर शर्मा सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा पर्वतदान (अन्न) एवं अश्वमेघ यज्ञ महोत्सव जैसे कार्यक्रम हमारे प्रदेश की पहचान एवं हमारे लोगो की स्वभाव का प्रतिबिंब है। ऐसे कार्यक्रमों का पुण्य न केवल गांव को बल्कि पूरा प्रदेशवासियों को मिलता है। आज इस यज्ञ विधि विधान से भगवान रामचंद्र सीता माता पवन पुत्र हनुमान और सभी देवी देवताओं का पूजन किए हैं उनका आशीर्वाद लिए हैं और पूरे छत्तीसगढ़ में खुशहाली हो खुशी हो ऐसा उनसे प्रार्थना किए हैं और हम लोग का सौभाग्य है कि राजा रामचंद्र हम लोगों के छत्तीसगढ़ के भाचा है छत्तीसगढ़ माता कौशल्या का मायके है और 14 साल के वनवास भगवान राम छत्तीसगढ़ में बिताए हैं यहां पर सबरी माता का झूठा बेर खाए हैं आज भी और शिवरीनारायण यहां पर स्थित है तो ऐसा यह पावन धरती है और ऐसे धरती में उनका पूजन हम लोग किए हैं लेकिन इस पूजन की सार्थकता तभी होगी जब रामायण में जो बात है उसके अनुसार हम सब लोग चलेंगे एक सफल जीवन जीने का पूरा तरीका रामायण में है बड़े लोगों का सम्मान करना चाहिए अपने भाइयों का कैसे सम्मान करना चाहिए पूरा एक सफल जीवन रामायण में है तो आज अगर हम लोग यह अश्वमेध यज्ञ कर रहे हैं और आज राम सीता जी का यहां पर पूजा अर्चन किए हैं तो रामायण के अनुसार हम लोग अपने जीवन को चला पाए तो यह बड़ी सार्थकता होगी।श्री सायं ने कहा कि 1 साल के अल्प समय में हमने मोदी की गारेंटी के तहत जितने वादा किए थे अधिकांश पूरे कर लिए है। हमारी सरकार बनते ही प्रदेशवासियों के लिए 18 लाख आवास स्वीकृत किए है। अब हम इन स्वीकृत मकानों में गृह प्रवेश का कार्य कर रहे है। छत्तीसगढ़ धान का कटोरा कहलाता है हमने किसानों की चिंता करते हुए 2 साल का बकाया बोनस तो प्रदान किया साथ ही 3100 प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी का कार्य किया जा रहा है जिससे किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। इसी तरह हमने तेंदूपता संग्राहकों को 4000 प्रति मानक बोरा से बढ़ाकर समर्थन मूल्य 5500 रूपये प्रति मानक बोरा किया गया है। राम लला दर्शन योजना के माध्यम से 20 लाख से अधिक लोगों को हमने अयोध्या,बनारस एवं प्रयागराज सहित अन्य धार्मिक स्थल ले जाने का पुण्य कार्य हमारी सरकार कर रही है। अभी प्रयागराज में 12 साल में लगने वाला महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें सभी प्रदेशवासियों को आमंत्रित करते हुए कुंभ में किसी भी तरह चिन्ता न करने आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि कुंभ में छत्तीसगढ़ वासियों के लिए अलग से रुकने, भोजन आदि की समुचित व्यवस्था की गई है। बस्तर के अति संवेदन शील क्षेत्रों में तेज गति से विकास का कार्य किया जा रहा हुआ है। नियंद नेल्लानर के माध्यम से गांव गांव को मुख्यधारा से जोड़ते हुए विकास कार्य किए जा रहे है। हमने कई सालों से बंद पड़े स्कूलों को प्रारंभ करने का कार्य किया है। इस दौरान रायगढ़ सांसद राधे श्याम राठिया ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर आयोजकगण टेकराम पटेल, प्रखर यादव, रोहित पटेल, कुबेर पटेल, हरिशंकर पटेल, सुंदर मणि पटेल, मोहन पटेल, कुमार जायसवाल, रितेश अग्रवाल, सुभाष पटेल और कौशिक साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

अश्वमेघ यज्ञ आयोजकों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का किया आत्मीय स्वागत

सारंगढ़ बिलाईगढ़। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के ग्राम टिमरलगा में आयोजित पर्वतदान (अन्न) और अश्वमेघ यज्ञ पूजा में शामिल हुए। टिमरलगा के अस्थाई हेलीपेड में रायगढ़ सांसद राधेश्याम राठिया, गुरुपाल भल्ला, संतोष चौहान,रवि तिवारी, कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू, पुलिस अधीक्षक पुष्कर शर्मा सहित आयोजकगण टेकराम पटेल, प्रखर यादव, रोहित पटेल, कुबेर पटेल, हरिशंकर पटेल, सुंदर मणि पटेल, मोहन पटेल, कुमार जायसवाल, रितेश अग्रवाल, सुभाष पटेल और कौशिक साहू ने मुख्यमंत्री का पुष्प गुच्छ देकर आत्मीय स्वागत किया।

महत्वपूर्ण एवं खास

पंजीकृत श्रमिक 31 दिसम्बर तक कराये अपना पंजीयन नवीनीकरण

रायगढ़। श्रम विभाग अंतर्गत छ.ग.भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल अंतर्गत निर्माणी श्रमिकों के रूप में ऐसे पंजीकृत श्रमिक जो मंडल गठन से आज दिनांक तक पंजीकृत है जिनका वैद्यता समाप्त हुए 1 वर्ष या 1 वर्ष से अधिक हो चुका है एवं पंजीयन नवीनीकरण के लिए आज दिनांक तक नवीनीकरण हेतु ऑनलाईन आवेदन नहीं कराया गया है। वह अपना पंजीयन नवीनीकरण किसी भी च्वाईस सेंटर/मोबाइल ऐप एवं स्वयं के द्वारा 31 दिसम्बर 2024 के पूर्व तक ऑनलाईन आवेदन करा सकते है। 31 दिसम्बर के पश्चात ऐसे पंजीकृत श्रमिक जिनका पंजीयन वैद्य नहीं है एवं नवीनीकरण नहीं कराया गया है अपंजीकृत श्रमिक माने जाये जायेंगे एवं उनका पंजीयन स्वयं निरस्त माना जाएगा। इस संबंध में अन्य विस्तृत जानकारी के लिए सहायक श्रमायुक्त कार्यालय, रायगढ़ में संपर्क कर सकते है।

ड्यूटी कर घर लौट रहे आरक्षक की हादसे में मौत

भिलाई-रायपुर (आरएनएस)। दुर्ग आईजी ऑफिस में पदस्थ आरक्षक उपेंद्र तिवारी की 25 दिसंबर क्रिसमस की रात सडक़ दुर्घटना में मौत हो गई। वो देर रात 11.30 से 12 बजे के बीच अपनी बाइक से स्मृति नगर स्थित अपने घर जा रहा था। अचानक वो बाइक सहित सडक़ किनारे ट्रांसफार्मर से टकरा गया। सिर में गहरी चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक उपेंद्र अपनी बाइक से बुधवार देर रात अकेले स्मृति नगर चौकी अंतर्गत हरि नगर स्थित अपने घर जा रहा था। वो जैसे हरि नगर से थोड़ा पहले क्रिश 2 होटल के पास पहुंचा, वहां सडक़ किनारे लगे ट्रांसफर्मर से तेज रफ्तार में टकरा गया। इसके बाद उपेंद्र नाली में गिरा और उसका सिर फट गया। सूचना मिलते ही सुपेला और स्मृति नगर पेट्रोलिंग मौके पर पहुंची। तब तक 112 और 108 एंबुलेंस वहां पहुंच गई थी। उन लोगों ने उपेंद्र को बेहोशी की हालत में ही तुरंत चंदूलाल चंद्राकर मेमोरियल हॉस्पिटल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद उसके शव को दुर्ग स्थित मरचुरी में रखवा दिया गया है।

पंचायत निर्वाचन 2024-25 : आरक्षण प्रक्रिया हेतु प्रशिक्षण व ड्राई रन का हुआ आयोजन

रायगढ़

त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2024-25 अंतर्गत शासन द्वारा जारी समय-सीमा में निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने हेतु कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कार्तिकेया गोयल एवं सीईओ जिला पंचायत जितेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में आज जिला पंचायत रायगढ़ के सभा कक्ष में आरक्षण प्रक्रिया के लिए प्रशिक्षण और ड्राई रन (पूर्वाभ्यास) का आयोजन किया गया। जिसमें निर्वाचन कार्य में संलग्न सभी अनुविभाग के एसडीएम एवं संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारियों को आरक्षण नियमों से संबंधित व्यवहारिक प्रशिक्षण एवं पूर्वाभ्यास के संबंध में जानकारी दी गई एवं आरक्षण प्रक्रिया के दौरान आने वाली व्यवहारिक परेशानियों का समाधान किया गया।

प्रशिक्षण का उद्देश्य पंचायत चुनाव में आरक्षण प्रक्रिया की पूर्ण जानकारी प्रदान करना, तकनीकी पहलुओं को स्पष्ट करना और संभावित त्रुटियों को समय रहते ठीक करना था। ड्राई रन (पूर्वाभ्यास) के दौरान वास्तविक प्रक्रिया के समान ही सभी चरणों एवं सीटों के आरक्षण से संबंधित सभी आवश्यक नियमों और दिशा-निर्देशों का पालन किया गया। प्रशिक्षण सह कार्यशाला में सभी एसडीएम, जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी, उप संचालक पंचायत, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत एवं अन्य कर्मचारी कार्यशाला में उपस्थित रहे।

वीर बाल दिवस : गुरू गोबिंद सिंह के चार वीर पुत्रों की शहादत को स्कूली बच्चों के साथ पालक व शिक्षकों ने किया नमन

- स्कूलों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पीएम राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्राप्त बच्चों से संवाद का किया गया प्रसारण, अन्य विद्यार्थियों को किया गया प्रेरित
- जिले के सभी स्कूलों में मनाया गया वीर बाल दिवस, आयोजित हुए विविध कार्यक्रम

रायगढ़

वीर बाल दिवस के अवसर पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम को सभी विद्यालयों में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को प्रोजेक्टर के माध्यम से दिखाया गया। कार्यक्रम में प्रधान मंत्री मोदी ने राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्राप्त विद्यार्थियों से संवाद करते हुए वीर बाल दिवस के अवसर पर गुरु गोविंद साहेब के पुत्रों के बालिदान को याद किये और उन्होंने समाज में राष्ट्र के प्रति बालिदान, त्याग एवं समर्पण की भावना स्थापित करने की बात कही। वीर बाल दिवस के इस कार्यक्रम में कक्षा पहली से बारहवीं के विद्यार्थी सम्मिलित हुए। छात्रों ने इस वर्ष के राष्ट्रीय बाल वीरता पुरस्कार प्राप्त 17 बच्चों से परिचित हुए, प्रधानमंत्री के सजीव संवाद को सुने और वीरता की भावना से प्रेरित हुए।

रायगढ़ जिले के समस्त विद्यालयों में आज बलिदान की याद में वीर बाल दिवस मनाया गया। वीर बाल दिवस सिख धर्म के 10वें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह जी के चार बेटों की याद में मनाया जाता है, जिन्होंने मुगल बादशाह औरंगजेब के खिलाफ लड़ाई में भाग लिया था और वे सभी शहीद हो गए थे। उनकी शहादत को सिख धर्म में महत्व देने के साथ ही उन्हें वीर बाल के रूप में सम्मान दिया जाता है।

इसी कड़ी में आज खरसिया विकासखण्ड के समस्त विद्यालयों में वीर बाल दिवस के अवसर पर पेंटिंग, पोस्टर मेकिंग, डांस, रंगोली का कार्यक्रम आयोजित किया गया। बच्चों ने वीर बाल दिवस के अवसर पर 10 वें सिख गुरु गोविंद सिंग साहेब के पुत्रों को रंगोली में उकेर कर उनके राष्ट्र के प्रति त्याग, समर्पण एवं बालिदान को याद किये। इसी तरह पुसौर के पंचपारा संकुल अंतर्गत आने वाले समस्त शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय में वीर बाल दिवस का आयोजन किया गया। स्कूली बच्चों को बताया गया कि धर्म की रक्षा और मातृभूमि के सम्मान के लिए गुरू गोविन्द सिंह का बलिदान मानवता की अमूल्य धरोहर है। उनकी गौरवमयी गाथा आने वाली पीढ़ियों को सच्चाई, निडरता और कर्तव्यनिष्ठा का पाठ पढ़ाती रहेगी। इसी उद्देश्य के पूर्ति हेतु पंचपारा संकुल के प्राथमिक शाला कोसमंदा, बाघाडोला, नावापारा अ, पंचपारा, सुकुल भठली, माध्यमिक शाला पंचपारा में विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमे रंगोली प्रतियोगिता, निबंध लेखन, पेंटिंग, स्टोरी टेलिंग, पोस्टर, स्लोगन, डांस, फैन्सी ड्रेस आदि विविध कार्यक्रम आयोजित हुए।

आयुष्मान वय वंदना योजना का कार्ड बनाने जिले में चल रहा अभियान

- कैंप लगाकर बना रहे कार्ड, घर-घर पहुंच रहे स्वास्थ्य कर्मी
- 70 वर्ष या अधिक उम्र के हर वृद्धजन के बनाए जा रहे कार्ड, प्रति व्यक्ति 5 लाख तक नि:शुल्क इलाज की है सुविधा
- आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनवाने हेतु किसी भी प्रकार की सहायता के लिए हेल्प लाईन नंबर 104 अथवा जिला स्तर पर मोबा.नं.9755891322 पर कर सकते है संपर्क

रायगढ़। रायगढ़ में 70 वर्ष या अधिक उम्र के बुजुर्ग व्यक्तियों के आयुष्मान वय वंदना योजना के कार्ड बनाने के लिए पूरे जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए कैंप लगाए जा रहे है, स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा डोर-टू-डोर संपर्क कर हितग्राहियों की जानकारी जुटा कर कार्ड बनाने का काम भी जारी है। आयुष्मान वय वंदना योजना के अंतर्गत 70 वर्ष या उससे अधिक उम्र के हितग्राहियों को प्रति व्यक्ति 5 लाख रुपए तक नि:शुल्क उपचार की सुविधा मिलती है।

कलेक्टर कार्तिकेया गोयल के निर्देश और सीईओ जिला पंचायत जितेन्द्र यादव ने मार्गदर्शन में जिले में आयुष्मान वय वंदना योजना के कार्ड निर्माण के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा कार्ययोजना बनाकर काम किया जा रहा है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में योजना के अंतर्गत कार्ड निर्माण किया जा रहा है।

योजना के क्रियान्वयन के बारे में जानकारी देते हुए सीएमएचओ डॉ बी के चंद्रवंशी ने बताया कि पूरे जिले के लिए 135 टीमें बनाई गई हैं। 101 टीम ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत हैं। 34 टीमों को शहरी क्षेत्रों का जिम्मा दिया गया है। हर ब्लॉक के लिए प्रतिदिन 5-5 गांवों का रूट चार्ट बनाया जाता है। प्रतिदिन मुख्यालय स्तर से इसकी मॉनिटरिंग की जा रही है।

70 वर्ष या उससे अधिक उम्र के हर वृद्धजन को मिलेगा 5 लाख तक नि:शुल्क उपचार का लाभ

शासन के निर्देशानुसार 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक योजनान्तर्गत लाभ प्राप्त करने के लिए पात्र होंगे। जिले के जनसामान्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ मेडिकल कालेज रायगढ़, जिला अस्पताल रायगढ़, एमसीएच रायगढ़, सिविल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र या शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में उपस्थित होकर 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों का आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनवा सकते है।

आयुष्मान वय वंदना कार्ड के लिए लगेंगे ये दस्तावेज

आयुष्मान वय वंदना कार्ड के बनवाने के लिए राशन कार्ड, आधार कार्ड (फोटोयुक्त अन्य कोई भी शासकीय पहचान पत्र) एवं मोबाइल नंबर लगेंगे। इस संबंध में अधिक जानकारी या किसी भी प्रकार की सहायता के लिए हेल्प लाईन नंबर 104 या जिला स्तर पर हेल्प लाईन नंबर 9755891322 पर संपर्क कर सकते है।

आदिवासी उपयोजना क्षेत्र तथा नक्सल प्रभावित क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए प्रयास आवासीय विद्यालयों में प्रवेश के लिए मंगाए गए ऑनलाईन आवेदन

रायगढ़

मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजनान्तर्गत प्रदेश के अधिसूचित क्षेत्रों आदिवासी उपयोजना क्षेत्र तथा नक्सल पीड़ित/ प्रभावित क्षेत्रों में स्थित शालाओं में अध्ययनरत प्रतिभावान विद्यार्थियों को कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक उत्कृष्ट स्कूली शिक्षा के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर की मेडिकल, इंजीनियरिंग, सीए, सीएस, सीएमए, क्लैट तथा एनडीए की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने हेतु सघन तैयारी करायी जाती है। इस उद्देश्य की पूर्ति राज्य में प्रयास आवासीय विद्यालय स्थापित किए गए है। वर्ष 2025-26 में इन विद्यालयों के कक्षा 9 वीं में प्रवेश हेतु ऑनलाईन आवेदन पत्र मंगाए जाने हेतु तिथि एवं समय निर्धारित किए गए है। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास, रायगढ़ से प्राप्त जानकारी के अनुसार ऑनलाईन आवेदन भरने की अंतिम तिथि 20 जनवरी 2025 रात्रि 12 बजे तक निर्धारित है। ऑनलाईन आवेदन भरे गये आवेदन पत्र में त्रुटि सुधार की अंतिम तिथि 21 जनवरी से 27 जनवरी 2025 तक रात्रि 12 बजे तक, जिला स्तर पर दस्तावेजों का परीक्षण 28 जनवरी 2025 से 7 फरवरी 2025 तक, प्रवेश पत्र डाउनलोड करने एवं प्रवेश हेतु प्राक्चयन परीक्षा की तिथि पृथक से दी जाएगी। ऑनलाईन आवेदन पत्र भरने हेतु लिंक https:eklavya.cg.nic.in/PRSMS/Student-admission-Detail है। उक्त संबंध में आवेदन पत्र एवं अन्य जानकारी विभागीय वेबसाइट एवं जिले के सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास/ परियोजना प्रशासक कार्यालय से प्राप्त कर सकते है।

महतारी वंदन योजना: करूणा की बेटी के सुरक्षित भविष्य के साथ शिक्षा की राह हुई आसान

- सीमित आय एवं आर्थिक तंगी में महतारी वंदन योजना बना सहारा

रायगढ़

जिले के दूरस्थ धरमजयगढ़ विकासखंड के ग्राम अलोला की करूणा महेश्वरी एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पति बारू महेश्वरी राजमिस्त्री का कार्य करते हैं। परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य एवं कम आय से परिवार का भरण पोषण ही हो पाता है। सीमित आय और बढ़ते खर्चों के कारण परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा था।

इसी बीच छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा शुरू की गई महतारी वंदन योजना ने उनके जीवन में नई रोशनी लेकर आई। इस योजना के तहत आंगनबाड़ी केंद्र में पंजीकरण करवा कर उन्हें हर महीने 1000 रुपए की सहायता राशि मिलने लगी। करूणा महेश्वरी ने महतारी वंदन योजना से मिल रही प्राप्त राशि का उपयोग अपने 8 वर्षीय बेटी कनक की शिक्षा के लिए कर रही। जिससे बेटी की पढ़ाई में सुधार हुआ है। इसके अलावा उन्होंने सुकन्या समृद्धि योजना के तहत पोस्ट ऑफिस में खाता खुलवा कर हर महीने एक निश्चित राशि उसमें जमा करना शुरू किया, ताकि बच्ची का भविष्य सुरक्षित हो सके। करूणा महेश्वरी कहती है इस योजना ने उनके परिवार को आर्थिक मजबूती दी और उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान किया। जहां पहले छोटी-छोटी जरूरतों के लिए संघर्ष करना पड़ता था, लेकिन अब उनका परिवार बेहतर स्थिति में है।

श्रीमती करूणा महेश्वरी कहती हैं महतारी वंदन योजना हमारे जीवन में आर्थिक सहायता देने का कार्य कर रही है। जिससे अब मैं अपनी बेटी के भविष्य के लिए बचत कर पा रही हूं और परिवार की मूलभूत जरूरतों को पूरा करने के सक्षम हूं। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को इस योजना के लिए धन्यवाद दी।

गले में स्वर यंत्र कैंसर से पीड़ित सुशील मुण्डा की ऑपरेशन के बाद लौटी आवाज

- रायगढ़ मेडिकल कॉलेज में स्वर यंत्र के कैंसर का सफल इलाज

रायगढ़

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल एवं वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी के निर्देशन में रायगढ़ मेडिकल कॉलेज में लगातार स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार हो रही है, जिससे आमजन लाभान्वित हो रहे है।

स्व.श्री लखीराम अग्रवाल स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध संत बाबा गुरु घासीदास जी स्मृति शासकीय चिकित्सालय रायगढ़ लगातार अपनी सुविधाओं को बढ़ाने के लिए प्रयास करते हुए मरीज को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान कर रही है। इस कड़ी में कान, नाक, गला विभाग द्वारा जशपुर निवासी 33 वर्षीय सुशील मुण्डा का डीन डॉ. विनीत जैन एवं अस्पताल अधीक्षक डॉ.मनोज कुमार मिंज के मार्गदर्शन में सफल ऑपरेशन किया गया।

उल्लखेनीय है कि जशपुर निवासी 33 वर्षीय मरीज सुशील मुण्डा के लिए यह एक विकट स्थिति थी। वह पिछले दो वर्षों से खाँसी की समस्या से पीड़ित थे और पिछले छ: महीनों से उसकी आवाज ने भी उसका साथ छोड़ दिया था। उन्होंने कई जगह ईलाज के पश्चात निराश होकर मेडिकल कॉलेज रायगढ़ पहुँचे। नाक, कान, गला रोग विभाग में विभिन्न तरह की जांच से पता चला वह स्वर यंत्र के कैंसर से पीड़ित है। जिसका इलाज महँगा है और बड़े महानगरों में होता है, किंतु कान, नाक, गला रोग विभाग के विशेषज्ञ सर्जन ने उन्हें आश्वस्त किया कि इसका इलाज मेडिकल कॉलेज में संभव है और विशेषज्ञ सर्जन द्वारा इलाज की विभिन्न प्रक्रिया को विस्तार से समझाया गया। रोगी की सहमति के बाद विभिन्न विभागों ने मिलकर सर्जरी की तैयारी की गई। कान, नाक, गला, रोग, विभाग की सर्जन टीम में विभागाध्यक्ष डॉ.जया साहू, डॉ.दिनेश पटेल सहप्राध्यापक, डॉ नीलम नायक सहायक प्राध्यापक, डॉ.आयुषी सिंह, डॉ.अनिल कुमारी, डॉ स्वाति पवार, डॉ.रमेश पटेल, डॉ भावेश साहू, डॉ खुशबू पटेल, निश्चेतना विभाग टीम के विभागाध्यक्ष डॉ.ए.एम.लकड़ा द्वारा जटिल ऑपरेशन को सफलता पूर्वक किया जिसमें मेडिसिन विभाग के सह प्राध्यापक डॉ.जितेन्द्र नायक का भी विशेष सहयोग रहा। ऑपरेशन के बाद कुछ दिनों तक रोगी को आईसीयू में डॉक्टर के निगरानी में रखा गया जहाँ निश्चेतना विभाग, मेडिसिन विभाग, डाइटीशिअन और नर्सेज का सहयोग रहा। आज रोगी पूर्णत: स्वस्थ हैं और उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया है।

क्या है टीएलपीपी जाने ईलाज की प्रक्रिया- विशेषज्ञ सर्जन एवं सहप्राध्यापक ईएनटी डॉ.दिनेश पटेल ने बताया कि इस ऑपरेशन का नाम टीएलपीपी (टोटल लेरिंजेक्टमी पार्शियल फेरिंजेक्टमी) है। इसमें पूरा स्वर यंत्र, स्वाँस नली और खाद्य नली का ऊपरी हिस्सा निकाल दिया जाता है, फिर खाद्य नली, स्वाँस नली दुबारा बनाया गया है। मरीज को कुछ दिनों तक आईसीयू मैं रखना पड़ता है। जहां डाइटिशियन की निगरानी में पौष्टिक नियंत्रित आहार दिया गया। बातचीत दुबारा सिखाने के लिए स्पीच थेरेपिस्ट कुमारी विकासलता लकड़ा एवं सृष्टि महाशब्दे द्वारा थेरेपी की गई। अब मरीज अब पूरी तरह स्वस्थ है एवं बोलने में सक्षम हैं। इस ऑपरेशन का निजी अस्पताल में पाँच से छह लाख का खर्च आता है। यह सुविधा रायगढ़ मेडिकल कॉलेज में उपलब्ध हैं। जिसमें मरीज का संपूर्ण जांच एवं इलाज नि:शुल्क किया गया।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.बी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-२21359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com, RNI NO :- CHHHIN/2018/76480